रुर रुर मप्नर













मी-वैम्बाभाव नभ

मीभर्ग-मुर्-मुद्रा-रगवशुर-पाभुगगउ-भुलाभुग्य-भवः पी०भा म्-िक मु-िक भके ए-पी०भा एगमुन-मी-मद्भग्राट-भ्राभि-मीभ०-भंभ्रानभा

# क वैरी-पृष्ट ॥मजुप्रानभी॥

भन्न राग भवते कैक पावनी। गुरु "अं भया मंड्रं पावनं कुरु भंग ममा। क वदः नभः - उद्देशमुभी उद्देशमुभी उद्देशमुभी॥ विभूभाचे भजाकाचे करेर कुलमभुरो

मङ्ग्रालमभुउ गुरुग्ण्यं वरप्राशा क बद्द नभः - अम्भग्नुभा अम्भग्नुभा अम्भग्नुभा॥

कुभुमभुवकुभुद्रा हुं मुह्यभल कपुरस्या। म हिम्किन मङ्गारा गुरुप्युं मभुम्गाओ कावद्य नभः - अम्भग्नुभा अम्भग्नुभा अम्भग्नुभा॥

**भ्**ग्रुन

भग्नुण भन्न क्वीमुरुक मु भग्नुडी। मगभूभद्गी कावेरी लेपाभूम् वरप्माण

वैर्य-एग्न-माभु-पिरिपालन-मरा

© 9884655618 **②** 8072613857 **《** 

vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

कभग्रल्मभृद्यः भवडीग्र्णि द्वारा विर एकिए गम रक्षिम्भीम वाद्मिका॥॥

गरुविगदलेम् री गरुग ननक नृकः। भवा रीम्प्रादी ए नाभा धेरमकं भूउभा। एिक्य भपर्दे प्रस्वेम् किभावरः॥॥

#### ॥५्णन-५्रष्ट॥

(म्ग्रभ्) [विष्मुमगप्रं नुङ्गा]

मुक्राभ्रा-एरं विभूमिम-वरं गरुरुएभा। प्भन्न-वर्म पृष्ये मत्र-विभूपमान्ये॥ प्"न्यभा भभेपा ३ + का वैरी-हिवी-प्भाह्न-भिष्नुतं का वैरी-प्रष्टं किरिष्टा

> मम्भुमुम्बलभम् कुलवभनं भम्भभनामा पृप्तिनीं गक्न केए प्राभा। फ्पृनुभुवग रुवा <u>स</u>कलमां रुभुम् भूषणगत्रभालु रुगिगं गारुप्भवानेनं म्-िगङ्गिमभभुडी र निलयं पृचि भ का विविका भाषा कार्वेगी-मेरीं प्रायाभि॥

> > म्बिक्ष विच्च म्वाम दि रानि लिङ्गिनि यम् एमि ल क केंद्रः। एल प्राफिप म केरिकेष्टः कवैर एया झिवभुर्यभू ॥

> > पयं भि उी ग्रुनि मिला सु दिवडा मिवें कमें वाल् कउं प्पन्नः। नमी मकृगिनिप्मुउ मिरिक्नुभाष्टाभन्दिनहुः ॥ कार्वेरी-मेरीभा गुवा ज्या भि॥

वैर-एर्-माभु-परिपालन-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 

vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

मुरावारि विणयुभानमभुडा प्रमाद्ववगद्गर हुवः तुभुरुवम् उम् मियु उभू नमीरूपिली। म्रिङ्गडल कुभूभेवल भन्न युरभप्र क्न-मुरायएभाषभ्लेष भिज्य भट्टा मिस म्मुरा कार्वेगी-मेर्वे नभः, गुभनं भभगु याभि॥

भग्नुण भलामिती भलाचा भनेका। भवारी सूप्र लेकभाउः पारं, एराभि उ॥

भन्द्वि भार्यालय्वाक कवरकर् नभरं मर्हिश भा नुँ एग सु एउ भए हा व का विति का विति भभ प्भी ए॥ कार्वेरी-मेर्हे नभः, पार्म्न मभग्नवाभि॥

> मरुपारेमुव हिव मीर में दुमिना क वेरीन भविष्ट उ एक ल्युं ने भे भुउ॥

भ्गीनका क्वीरिउ-पृष्टकीर कल्गाल रहे भिउमान पृद्ध। कुभैम्बप्रिउगुभिउर काविर काविर भभ प्मीमा क वरी- में है नभः, मंं मभर या नि॥

> मीभक्टमैल उनचे भवाभक्ट निवारि पिर प्मारं कुरु में दिव प्मनुष्ठव महदा।

मंभार विम्मिनि मंभू उपनं भवाभभंजािकाः भववन्। मभभुले कैकमर एभुर कार्वेरि कार्वेरि भभ पुमीम्॥ कार्वेरी-मेर्दे नभः, मुराभनीयं मभर् याभि॥

उलाभाम उकावरी भवडी ग्राम्डा नमी। प्रमु-पाउक-मंक्यी वास्पिगढलप्**रा**॥

वैम्-णग्न-माभु-परिपालन-मरा

रु इन क म् भूनि रु गृल कि निट्ट एगन् मल मानमील। निराम्ने मिक्पमगङ्ग क वैरि क वैरि भभ पुभी मा। कावेरी-में वे नभः, पक्काभ्उभानं मभर् याभि॥

कार्वेगी डी गर्मा नः भूग पिक् भन्नी हन्। उम्नारिमीउवाउँम मुझ भुक्ति प्यानि वै॥

भेबिम्बेपाभिउ-पाम्पम् निउ जरीमम् जिल्भुर्ये। मम्मिर ण उत्तरप्भाम क विवि क विवि भभ पुभी मा।

कार्वेरी-महिं नभः, मुद्रेमकभानं सभर् याभि॥ भानान न्राभा ग्रामनीयं सभर् याभि॥

कवरक ने का विशि निभ्गाना घना थिक। वभुष्ण वमहुवमु इक्तिभुक्तिप्राधिन॥

मैविसि पृष्टु विभले नमीम परास्त्र राविउनि इपुरू। मभमुले के उभडी र भाउः क वृति क वृति भभ पुभी ए॥ कार्वेरी-मेर्हे नभः, वधुं मभर् या भि॥

भववसमयउए भववसम्भाका विनि। यहरूमभूवं हिति भवयहहलप्रे॥

कलि प्रुउ गिपल मे धन म विस्मृतिह्ननस्लप्वाक करभुकल, गकरभुपत्र क विवि क विवि भभ पुभी मा। कार्वेगी-मेर्दे नभः, यक्षेपवीउं मभगु या भि॥

एवरिव एगनुउद्गेपभूर पुराउन। एवरम् रवेम् रि भम्नल भम्नल प्रमा वैर-एर्-माभ-परिपालन-मरा

© 9884655618 **1** © 8072613857 **1** wdspsabha@gmail.com **2** vdspsabha.org



प्मीर का रुए-गुल्रेडिंग म प्मीम कलुए उर प्राप्त प्मीम काभामिकर पविर क वैरि क वैरि भभ प्भी मा। कार्ती-महिं नभः, भङ्गलम् वृं मभर् याभि जिरम् - कुर्भं मभर् याभि

> **ग्रन्**न गरुक भुरी कि भवाल क के भर्ते। ग इवैभा इवैद्रं गंत्रं भी कुर मरू स्था

मुद्भ पर गिन् यपुष्टपाद्भ प्रातिभपे एक वेर राष्ट्र । मनन्भाणपण वैठवार् क वैरि क वैरि भभ प्भी मा। कावरी-महिं नभः, गज्ञाना एप या भि॥

यमुं भक्त्युनभाराच्चीऽबयुद्धलं लहेउा। नबर्भानृवस्रुर्भबर्रेग चया भूरुभी ॥ कावरी-महिन्मः, मक्याना मभर्यामा

किरीएका र के बेर में एक में एक में हैं। रंभकैम्पला मैस रुभयेद्वां भन्मुणभा॥ कार्वेरी-महिं नभः, गुरुरण्येन मभर् याभि॥

उएई कर्भरं म् भिनु रं कस्लामिकभा। में भक्तलू प्र दिव र एक एक मुबल है। कार्वेरी-महिं नभः, उएइमिकाना मभर्यामा

उलभीविव्यभगू ग गुम उपर्केः उन्नीवरैः केकन है स्त्र हैं। कभलै रिपा कार्वेगी-मेर्दे नभः, प्रभानां मभग्यामा

कल्प्रचैः पुर्राचिम् पुष्ः भेगित्रिकारिः। एउँ ग्रिन् कप्रामिक क केउक मिकिः ॥

वैद्य-एग्न-माभु-परिपालन-मङा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 

vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

म्रिक्ट्रिल्यामनी गन्नराष्ट्रकम्भुकै। प्रमुः म्हभूउ भाउविष्टल द्वारां कुन्न

**उक्र**स्नू नुउन्ने कवा भना वा भिउन् द्वा िः मिर्वेः मुभवरैः पृष्टु पृष्ट्ये पृष्ट् रिक्तः॥ कार्वेरी-महिं नभः, पृष्धि मभुष्याभि।

### मम मङ्ग-प्रणा

भग्नुणचै नभः मर्क्ठ नुका चै नभः मगभुट्टैएन्नी नभः मगभृपङ्गै नभः का वृद्धी न भः लेपाभुम् च नभः वरप्राचै नभः कभग्रलमभुद्भुचै नभः भवडी ग्रुं पि द्विड च नभः विरह्य नभः म्हिल्गमुचै नभः वृद्धविभूमिवाद्मिकाचै नभः नेर् पृष्एयाभि गरुविणद्रेन सूर्रे नभः गरुगानन कनुका वैनभः मिरः पृष्यमा मवा ची स्प्रा हूँ नभः

भामें भृष्याभि गुल्ट्रे प्रस्याभि **ए** दू पृष्ट्या भि **प्रस्या** भि भग्रभा प्रस्याभि गिरिभा प्रस्याभि रूप्यभा प्रस्याभि मुने प्रस्याभि गफ प्रस्याभि क्रभा प्रस्याभि नामिकाभा प्रस्याभि मैर् प्रस्याभि वकुभा प्रस्याभि भवाधः इति प्रस्याभि

वैद्य-एयू-माभु-परिपालन-मरा

## कार्वेद भुरूपयनाभावितः

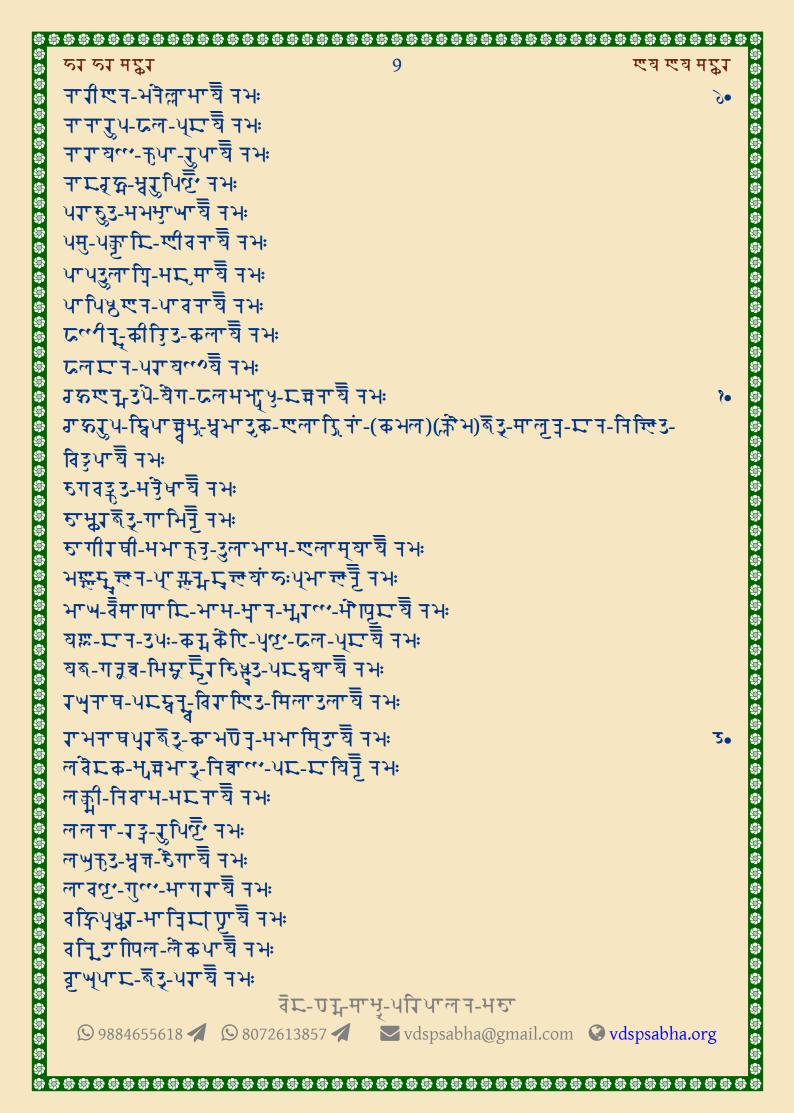
मननु-गुल्य-गभीराचै नभः म्र ५५३-मिवि उचै नभः मभ्उभु म्-मिलल च नभः मगभूभृति-ना विकाचै नभः मुमानु-कीन्नि-दिल का चै नभः गुमुगागभ-विचित्र नभः **उ**डिकाम-पुरालेकुचै नभ गंडिग ण-निवारिष्ट नभ उन्। इस्न- प्रभू वै नभः उच्चियनन्-मिवन् नभ एिभि ५,-मुमं वी उच्चे न भः ८ ५३ व- विभेग्न न व न भ ल्पु-एम्-एनेस्रग्र व नभः लुनराव-विविक्ति उच्च नभ एणि उपीपल-लेक मि चै न भ **टिटिकाभीभिकर्याः** व नभः एद्वर न म्-निनम् वै नभः छभणीत्रुउ-स्पैवनाचै नभः एमर गुण-निम्सि मृ व नभः ष्ट्रमीन्-निकारिष्टै नभ मनुःकर ८५- मंमृ वृष्टि नभः मम्ब-भृम्ब-एलाम्याचै नभः किपलापृ-नमी-भिग्गचै नभः करण-प्रक्र-भानभाषै नभः क वेरी-न भ-विापृ उच्चै न भ काभिउ र्-दल-प्राचै नभः कुभूभेल-बुर्-नामाचै नभः कें उकप्षभ-प्राच्चे नभ पिगर ए-र वें क्स ठ-र इस्त्ल-भूमे ि उर वें न भ

वैर-एम्-मप्-पिरपलन-मङ

3.

रुर रुर मर्द्धर ापगावली-मभाक्त वुकल्लोला विलिभित्र उच्चे नभः 3. गए र ए : - भृतिभी रू - प्राफ - ए न भेकि है न भः गायुरापृ-मिला-भणुष्य नभः गरुराभन-रिक्रियाचे नभः भन-गभीर-निनाम-निच्चरप्रि-निच्याचै नभः ग्रन् प्रका-भग्रम् चै नभः ग्रउगानन-पृद्धिकाचै नभः ग्रेल रूम-रूनेसूप-ग्रिप्कल-प्वारिन्हें नभः ग्रमुब्द-मभानीउचै नभः **ळम्**ग्रेप-निवारिष्ट नभः स्भृद्वीप-मिरम्ब्रुक्ष-नमी-नम-गरीयम् नभः ग्रह्मराम्-भंभ्रम्-भर्माल-भभाकुलाचै नभ ह्रचैक-भागन-प्राचै नभः **ऋपिभाउँ ग्रि-कारिष्टै न**भः ए हिरान वम-बृष्ट-मिविष्ट-भुदि-पादिष्टै नभ ० द्वर राष्ट्र- भम्र प्र- १७ च री मु उ- प्रवेश चै न भ रुकिनी-मकिनी-भद्भनिवारण-भिराष्ट्रचे नभः रक्त-निराम्पारी - पात्र उीम-मभामि उच्चे नभ "° नुवा ग्रु-िम्द्रभाम-वेगमा पन-उद्याची नभ उरम्वलि-मंविम्-भूम्-वाल्क-मेरिउ च नभ उपिमु एन-भक्का र-निविमिउ-मिला भना चै नभ उपर्य-उरुमुल-गम्मिरिकारिभुउरचै नभः षानु-प्भष-भंभेबु-भाभु-भानिष्ठ-काविष्टै नभः म्या-माबिए-मङ्कामील-लेक-मुरावि उच्च नभ माबिल्ल हु- स्पेम्रा-निविधार-मयाविश्व नभ एन-भान-भमाद्वामि-भर्ग-निवर्गन-पि्याचै नभः नभस्निम्गर-मीलाचै नभः निभद्गम्पन-पावनाचै नभः न गारिकें उ-निलया वैनभः नाना-डीग्रुणि-म्बराचे नभः वैम्-एम्-मप्-पिर्यालन-मरा

© 9884655618 **♦** © 8072613857 **♦** wdspsabha@gmail.com **© vdspsabha.org** 



कार्वेरी-महें नभः, नाना-विण-पिराभल-पर्-पुभारित मभरायाभि॥

#### उरुगम्भूए

वॅम्-एम्-मप्-परिपालन-मरा

© 9884655618 💋 © 8072613857 💋 vdspsabha@gmail.com 🔮 vdspsabha.org

म्माङ्गेगुम्लेपउभुगद्रेभूग्यउपुग्धा भन्द्वि भूक विरि प्रियम मभिदः॥ कार्तरी-मह नभः, प्रथमा मुण्ययानि॥

उलागउँ उटिनि वरा िशां-गङ्गामिकः मिविउपाम्पम् दिके ए डी ग्रुम् भ- पृक्षगर् कार्वे कार्वे विभाग प्रभी मा

*प्ट्रैं*डिमुभमृभू **ु मुभभभु ब उँ ए**मा। मुपे उँ एः प्रा द्विक विकास मिप्रियं प्रिगृहराभा॥ क वरी- है नभः, मीपं मच मि॥

> ममाभ उलाहिर नस्ण मा-**न्म** भग्ने लीय ए न भू ठुकिप्र भुकिविण नम्ब कार्वे कार्वे मिन पुर्मी मा

यनं ग्रुविणं रुग्नं माक वृक्किन भं युउभी। मद्रलं मभ् उं इड्के का विरि उपि उं वरि॥

कार्वेरी-महिं नभः, नैवेमं भभर् याभि॥ पानीयं भभर् याभि॥ उङ्गापेमनं भभर् याभि॥ निवस्त रूप म्याभनीयं मभर्याभा

> निष्किण नमवल्यम् उपनं निम्निधपापब्यकारिली हुभा। निम्पर्भामि निगमम्ब क वैरि क वैरि भभ पुभी मा। कार्वेगी-महिं नभः, फलं कर् ग-उ भुलं ए मभर् या भि॥

> > परामरागभुवभिश्वभृष्ट्रित्। भक्ति किया नृउपेकिर भू **३भाम् उक्म**०मिम्निष्ठः कार्वे कार्वे मिन पुर्मी मा

वैर-एर्-माभ्-परिपालन-भरा

© 9884655618 **1** © 8072613857 **1** wdspsabha@gmail.com **2** vdspsabha.org

भवडीर्रे भुलाभाम द्वारीरा एत पाद्यका। नीरा एया भि ठक्ता के कार्वेट भूभव्य है। कार्वेरी-मेर्दे नभः, नीराएनं मभर् याभि॥

भाष्ट्रमण्यः चतुन्नभूभेणमा -रीरङ्ग मृमुल भह्ग द्वभी। मभेम्ब भिन्नयुउँ भुउनु कार्वेरि कार्वेरि भभ पुमी मा।

प्रकिलं करें भि द्वां पृत्रधार, प्राविति। कार्वेगी-मेर्डे नभः, प्राहिल्ला मभगु या नि॥

> रङ्गा मि छित्त ववर्ते भिभन्ने विभिष्ठभुवैम् निहिविषिष्ठः । निटुं गए र ए ग्रें दि पह कार्वे कार्वे मिन पुर्मी मा

नभमु उएउं भृष्टि निगभागभ मंभुउ। पालि पाल्भ का वैवि प्पनं भंग तुपाम् मा॥ कार्वेगी-में ने नेभः, नेभक्षा गानी मिभर्या मि॥ भ्वाभिनीकः वायनमाना

> भ्वाभिनीनं य निष्मिउनं परिप्यितं ग्रमुराम्बिनभा। मभूममां *।* उक्तेगरागुं क वैरि क वैरि भभ पुभी ए॥

निस्प्राज्यप्रतल्यपृथः-प्मिम्नमञ्जा दले मचिन न् "भडी सु र विण विनी द्वे क वैरि क वैरि भभ पुंभी मा।

पापक्षं पारिमुग्भाष्यारेग्मेव ए। भै ठा गुभि भगु ने ह्र ने हिन्छ भग्न है ।। वॅर-णग्न-माभ-परिपालन-मङा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 

एव एव महुर व्य व्य मर्द्धा 13

उउ मभुरू॥

॥इउ व्उग्रज्ञभागे का वैगी-प्रहाविषिः॥ छै उड़ा मम्स रङ्गर्णभणु।

वैर-एर्-मप्-परिपालन-मरा



